आई.सी.ए.आर-महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान (एम.जी.आई.एफ.आर.आई.) ने 2 फरवरी 2024 को विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया

आज दिनांक 02.02.2024 को QRT अध्यक्ष और सदस्यों, डॉ ए. के. सिंह, Ex DDG, NRM, ICAR एवं पूर्व कुलपति, आर.वी.एस.के.वी.वी., ग्वालियर), डॉ आर. के. सोहने (Director, Extension Education, BAU, Sabour), डॉ के.जी. मंडल (Director, ICAR-MGIFRI, Motihari), डॉ एस.डी. सिंह (Ex ADG (IF), ICAR, New Delhi, पूर्व प्रोफेसर ए.के. श्रीवास्तव (एल.पी.एम. विभाग, रांची वेटरनरी कॉलेज, बिरसा एग्रील यूनिवर्सिटी, रांची, एवं आईसीएआर MGIFRI के वैज्ञानिकों ने अपने संस्थान मे **विश्व आर्द्र भूमि दिवस समारोह** आयोजित किया। आर्द्र भूमि की महत्ता और इसके बचाव पर व्याख्यान दिए गए एवं कैसे मानव कल्याण हेतु इसका उपयोग किया जा सकता है इस पर विचार विमर्श हुआ। निम्नलिखित बातें इस अवसर पर कही गई.

30 अगस्त, 2021 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2 फरवरी को विश्व वेटलैंड दिवस के रूप में घोषित किया। यह आर्द्रभूमि के तेजी से हो रहे नुकसान को रोकने और उनके संरक्षण और बहाली को बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित करता है। यह तिथि 1971 में कैस्पियन सागर के तट पर ईरान के रामसर में "अंतर्राष्ट्रीय महत्व के आर्द्रभूमि पर सम्मेलन" को अपनाने की याद दिलाती है।

172 देशों द्वारा अपनाया गया रामसर कन्वेंशन, संरक्षित क्षेत्रों के निर्धारण, प्रभावी नीतियों और ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से आर्द्रभूमि के संरक्षण और बुद्धिमानी से उपयोग की सुविधा प्रदान करता है। कन्वेंशन में शामिल होने वाले प्रत्येक देश को कम से कम एक आर्द्रभूमि को अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि की सूची में शामिल करने के लिए नामित करना होगा, जिसे रामसर साइट्स के रूप में जाना जाता है।

रामसर कन्वेंशन
अंतर्राष्ट्रीय महत्व के वेटलैंड्स पर रामसर कन्वेंशन, विशेष रूप से जलपक्षी आवास के रूप में , जिसे वेटलैंड्स पर कन्वेंशन के रूप में भी जाना जाता है , एक अंतरराष्ट्रीय संधि है जो वेटलैंड्स और उनके

संसाधनों के संरक्षण और बुद्धिमान उपयोग के लिए राष्ट्रीय कार्रवाई और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए रूपरेखा प्रदान करती है।

पृष्ठभूमि

अपनाया गया: 2 फरवरी 1971, ईरानी शहर रामसर में।
लागू हुआ: 21 दिसंबर, 1975।
हस्ताक्षरकर्ता: 172 देश (26 अक्टूबर, 2023 तक)।

रामसर कन्वेंशन के उद्देश्य

- दुनिया भर में आर्द्रभूमियों की हानि को रोकना और उनके संरक्षण को बढ़ावा देना।
- आर्द्रभूमियों और उनके संसाधनों के बुद्धिमानीपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना।
- आर्द्रभूमि संरक्षण और प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग करना।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2024 (2 फरवरी), थीम और महत्व

- विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2024
- विश्व वेटलैंड दिवस, हर साल 2 फरवरी को मनाया जाता है, जो 1971 में वेटलैंड्स पर रामसर कन्वेंशन पर हस्ताक्षर करने की याद दिलाता है। इस दिन का उद्देश्य मानव कल्याण और पर्यावरण के लिए वेटलैंड्स के महत्व के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है।
- विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2024 का आधिकारिक विषय **"आर्द्रभूमि और मानव कल्याण"** है। यह विषय जीवन के विभिन्न पहलुओं में मानव कल्याण का समर्थन करने में आर्द्रभूमि द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है।

"आर्द्रभूमि और मानव कल्याण" पर ध्यान केंद्रित करके, विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2024 दुनिया भर में व्यक्तियों, समुदायों और सरकारों के लिए आर्द्रभूमि के महत्वपूर्ण महत्व को पहचानने और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनकी रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने के आह्वान के रूप में काम करेगा।

वेटलैंड क्या है

- आर्द्रभूमि एक विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र है जो स्थायी या मौसमी रूप से पानी से भर जाता है या संतृप्त हो जाता है। इन क्षेत्रों में अद्वितीय विशेषताएं हैं जो इन्हें स्थलीय और जलीय दोनों वातावरणों से अलग करती हैं।

आर्द्रभूमियों के प्रकार

- दलदल: नरकट और घास जैसे शाकाहारी पौधों का प्रभुत्व।
- दलदल: पेड़ों और झाड़ियों जैसे लकड़ी के पौधों का प्रभुत्व।
- दलदल: कम पोषक तत्वों के साथ पीट बनाने वाली अम्लीय आर्द्रभूमि।
- फ़ेंस: उच्च पोषक तत्वों के साथ पीट बनाने वाली आर्द्रभूमि।
- मुहाना: जहां मीठा पानी खारे पानी से मिलता है, एक अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करता है।

आर्द्रभूमियों का महत्व

- जल शोधन: पानी से प्रदूषकों और अशुद्धियों को फ़िल्टर करें।
- बाढ़ नियंत्रण: अतिरिक्त पानी को सोखें और संग्रहित करें, जिससे बाढ़ का खतरा कम हो जाएगा।
- जलवायु परिवर्तन शमन: कार्बन सिंक के रूप में कार्य करें, कार्बन डाइऑक्साइड का भंडारण करें और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करें।
- जैव विविधता हॉटस्पॉट: विभिन्न प्रकार के पौधों और जानवरों के लिए आवास प्रदान करें।
- आर्थिक लाभ: पर्यटन, मत्स्य पालन, कृषि और अन्य आर्थिक गतिविधियों का समर्थन करें।

- सांस्कृतिक महत्व: दुनिया भर के कई समुदायों के लिए सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व रखता है।
- आर्द्रभूमियों को खतरा
- प्रदूषण: कृषि भूमि, कारखानों और शहरी क्षेत्रों से होने वाला अपवाह आर्द्रभूमियों को प्रदूषित करता है और उनके पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुँचाता है।
- आवास विनाश: विकास के लिए जल निकासी, ड्रेजिंग और आर्द्रभूमि को भरने से पौधों और जानवरों के लिए महत्वपूर्ण आवास नष्ट हो जाते हैं।
- जलवायु परिवर्तन: समुद्र के बढ़ते स्तर, वर्षा के पैटर्न में बदलाव और बढ़ते तापमान से आर्द्रभूमियों के स्वास्थ्य और अस्तित्व को खतरा है।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2024 (2 फरवरी), 2024 समारोह का समापन धंवाद ज्ञापण के साथ सम्पन्न हुआ.